



Nanshi

27 Jul 1997

05:05 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121673603

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 27/07/1997
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 17:05:00 घंटे
इष्ट _____: 29:01:48 घटी
स्थान _____: Lucknow
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:50:00 उत्तर
रेखांश _____: 80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 16:58:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल _____: 13:19:21 घंटे
सूर्योदय _____: 05:28:16 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:57:05 घंटे
दिनमान _____: 13:28:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 10:38:50 कर्क
लग्न के अंश _____: 12:51:25 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: गण्ड
करण _____: तैतिल
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

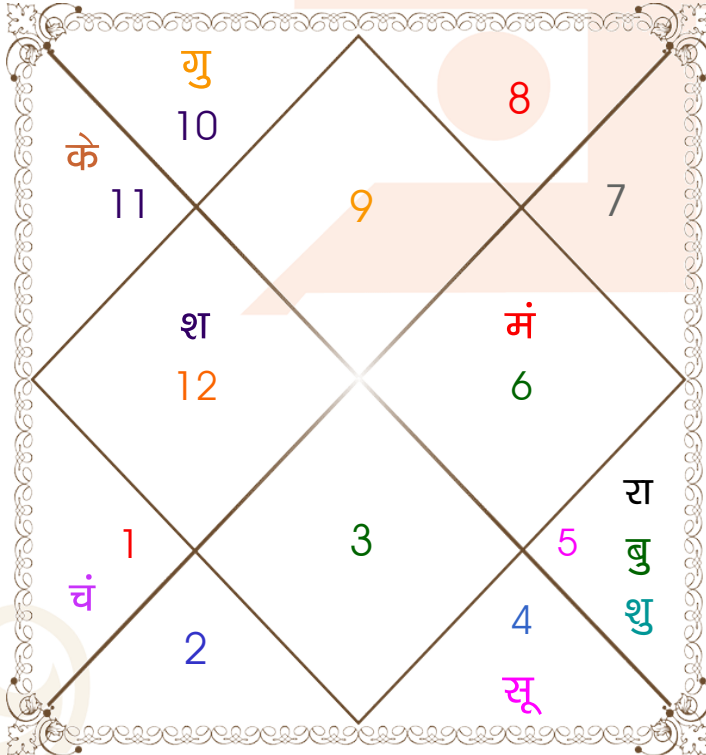
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:51:25	342:04:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कर्क	10:38:50	00:57:21	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मेष	19:42:53	13:34:06	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	25:34:38	00:34:12	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	06:45:14	01:15:47	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	24:50:57	00:07:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	10:54:28	01:12:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:30:52	00:00:32	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:00:35	00:01:00	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:00:35	00:01:00	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:58:01	00:02:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:34:43	00:01:37	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:04:59	00:00:33	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	27:38:51	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

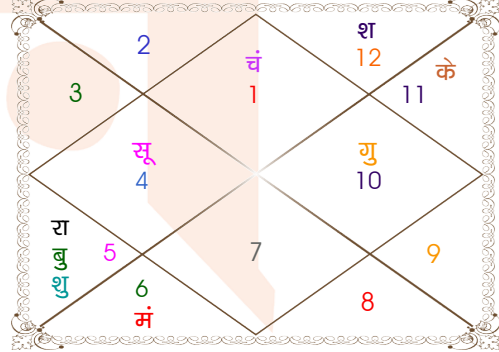
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:22

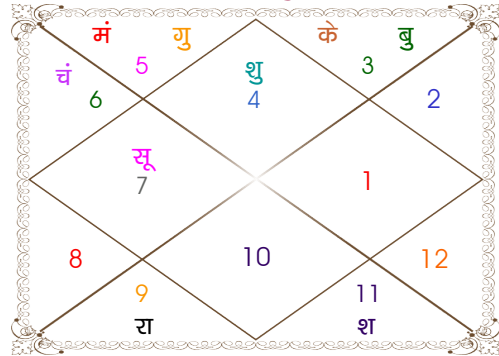
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 5 मास 4 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
27/07/1997	31/12/2007	31/12/2013	31/12/2023	31/12/2030
31/12/2007	31/12/2013	31/12/2023	31/12/2030	30/12/2048
00/00/0000	सूर्य 19/04/2008	चंद्र 31/10/2014	मंगल 28/05/2024	राहु 12/09/2033
00/00/0000	चंद्र 18/10/2008	मंगल 01/06/2015	राहु 16/06/2025	गुरु 06/02/2036
00/00/0000	मंगल 23/02/2009	राहु 30/11/2016	गुरु 23/05/2026	शनि 13/12/2038
27/07/1997	राहु 18/01/2010	गुरु 01/04/2018	शनि 01/07/2027	बुध 01/07/2041
राहु 01/03/1998	गुरु 06/11/2010	शनि 31/10/2019	बुध 28/06/2028	केतु 19/07/2042
गुरु 30/10/2000	शनि 19/10/2011	बुध 01/04/2021	केतु 24/11/2028	शुक्र 19/07/2045
शनि 31/12/2003	बुध 24/08/2012	केतु 31/10/2021	शुक्र 24/01/2030	सूर्य 13/06/2046
बुध 31/10/2006	केतु 30/12/2012	शुक्र 01/07/2023	सूर्य 01/06/2030	चंद्र 13/12/2047
केतु 31/12/2007	शुक्र 31/12/2013	सूर्य 31/12/2023	चंद्र 31/12/2030	मंगल 30/12/2048

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
30/12/2048	30/12/2064	31/12/2083	31/12/2100	01/01/2108
30/12/2064	31/12/2083	31/12/2100	01/01/2108	00/00/0000
गुरु 17/02/2051	शनि 03/01/2068	बुध 29/05/2086	केतु 29/05/2101	शुक्र 03/05/2111
शनि 31/08/2053	बुध 12/09/2070	केतु 26/05/2087	शुक्र 30/07/2102	सूर्य 02/05/2112
बुध 07/12/2055	केतु 22/10/2071	शुक्र 26/03/2090	सूर्य 04/12/2102	चंद्र 01/01/2114
केतु 12/11/2056	शुक्र 22/12/2074	सूर्य 30/01/2091	चंद्र 05/07/2103	मंगल 03/03/2115
शुक्र 14/07/2059	सूर्य 04/12/2075	चंद्र 01/07/2092	मंगल 02/12/2103	राहु 28/07/2117
सूर्य 01/05/2060	चंद्र 04/07/2077	मंगल 28/06/2093	राहु 19/12/2104	00/00/0000
चंद्र 31/08/2061	मंगल 13/08/2078	राहु 15/01/2096	गुरु 25/11/2105	00/00/0000
मंगल 07/08/2062	राहु 19/06/2081	गुरु 22/04/2098	शनि 04/01/2107	00/00/0000
राहु 30/12/2064	गुरु 31/12/2083	शनि 31/12/2100	बुध 01/01/2108	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 5 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्ज्वल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपत्ति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएंगे। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यो के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यो के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपत्ति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

